MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE :- 21 AUGUST, 2025

MCU NEWS

माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अभ्युदय कार्यक्रम शुरू

पत्रकार में लोक कल्याण का भाव होगा तभी पत्रकारिता बेहतर होगी : डॉ. मोहन यादव

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समाज के संचालन में पत्रकारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। देवर्षि नारद भी पत्रकार रहे, जिनके जीवन और कार्यव्यवहार से ज्ञात होता है कि अगर पत्रकार में लोककल्याण का भाव होगा, तो पत्रकारिता बेहतर होगी। रामायणकाल में हनुमानजी को भी खोजी पत्रकार के बतौर महत्वपूर्ण संदेश देने वाला बताया।

वे बुधवार को मुख्य अतिथि की आसंदी के रूप में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के अकादमिक सत्र 2025-2026 अभ्युदय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भोपाल के इस पत्रकारिता विश्वविद्यालय की साख पूरे देश में है।। एमसीयू ने देश को की पत्रकार दिए। इस विवि. ने पिछले 35 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी ख्याति अर्जित कर मध्यप्रदेश को नई पहचान दी है। यहां से शिक्षा प्राप्त पत्रकारों ने मीडिया की दुनिया में मानक स्थापित किए हैं।

इस मौके पर प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास, विवि. के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, राज्य शासन में मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े उपस्थित रहे। सीएम ने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण कर परिसर में पौधरोपण भी किया। उद्घाटन सत्र में विनय उपाध्याय, प्रो. सीपी अग्रवाल, डॉ. अविनाश वाजपेयी तथा डॉ. अनीता सोनी ने संचालन किया। आभार विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. डॉ. पी.शशिकला ने माना। सत्रारंभ के पहले दिन साफ्ट स्किल्स पर संवाद वरिष्ठ लेखक एन. रघुरामन और वरिष्ठ फिल्मकार आशीष कुलकर्णी ने अपने विचार रखे।

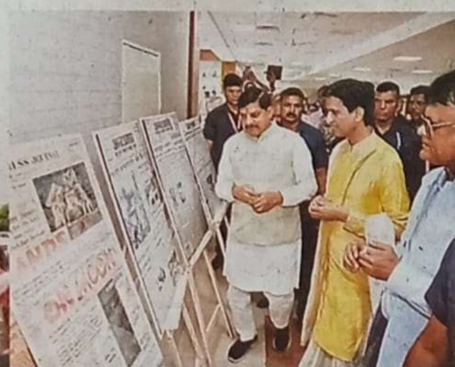

छपे शब्दों पर समाज का भरोसा कायम : डॉ. विश्वास

इस अवसर पर मुख्य वक्ता कवि और रामकथा विशेषज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने नवागत विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय में प्रवेश कर रहे हैं, जिसकी सबसे बड़ी अनिवार्यता विश्सनीयता है। उन्होंने कहा कि समाज का आज भी छपे हुए और बोले हुए शब्दों पर भरोसा कायम है। देश की पत्रकारिता में पिछले 10-11 वर्षों में बहुत अंतर आया है। आज मीडिया में थोपे गए विषय नेपथ्य में जा रहे हैं, वही देश तथा समाज से जुड़े अहम विषय जो पहले नजरअंदाज किए जाते थे, आज वे पत्रकारिता में प्रमुखता से नजर आने लगे हैं। उन्होंने रामायण से जुड़े अनेक प्रसंगों में संवार के महत्व तथा हनुमान जी, अंगद की निर्भीकता, तटस्थता, समर्पण जैसे गुणों को पत्रकारिता के संदर्भों में समझाया। विश्वास ने सुझाव दिए कि जिन्हें अच्छा पत्रकार बनना है, वे कम से कम तीन साल प्रिंट मीडिया में लगाएं। इससे आप भाषा का संस्कार और सार्थक उपयोग सीख पाएंगे।

विश्वास ने की कुलगुरु की तारीफ

डॉ. विश्वास ने अपने संबोधन की शुरूआत कुलगुरु डॉ विजय मनोहर तिवारी की तारीफ से की। उन्होंने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि कुलगुरु को वे नहीं जानते थे, लेकिन उनकी लिखी कविताओं की किताब मैंने दिल्ली रेलवे स्टेशन से खरीदी और मैं अभिभूत हुआ। मैंने इंदौर से एक मित्र से उनका नंबर लेकर फोन पर बात करते हुए उनकी तारीफ की, तो इतने में ही तीन बार पूछ चुके कि आप कौन बोल रहे हैं? तो मैंने अपना परिचय न देकर एक पाठक बोल रहा हूं, कहा। इसके बाद वे मुझसे एक बार मिलने आए, तभी से हम दोनों की पहचान हो गई। विश्वास ने नव प्रवेशी छात्रों से कहा कि आप सभी किस्मत वाले हैं कि डॉ तिवारी जैसे बहुत अच्छे, ज्ञानी, ख्यातिप्राप्त कुलगुरु मिले हैं। उनसे सीखकर आप सभी भी एक अच्छे पत्रकार, कवि या साहित्यकार बन सकते हैं।

समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास : कुलगुरु तिवारी

कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने नवागंतुक विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि वे निरंतर अध्ययन करते रहें तथा अपने समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें। आगामी समय में विश्वविद्यालय एआई, डीप फेक और साइबर सिक्योरिटी जैसे नए विषयों पर नए पाठ्यक्रम आरंभ करेगा। एमसीयू में देश की अग्रणी समाचार पत्रों द्वारा दुर्लभ घटनाक्रमों के कवरेज से जुड़े प्रथम पृष्ठों की एक गैलरी परिसर में स्थापित की है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
SWADESH 21-08-2025

मुख्यमंत्री ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के अभ्युदय-2025 कार्यक्रम को किया संबोधित

रामायण काल में खोजी पत्रकारिता का उदाहरण है हनुमान : मुख्यमंत्री

■ जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है पत्रकारिता : डॉ. यादव

■ मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए कवि डॉ. कुमार विश्वास

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पत्रकारिता, सम्प्रेषण का ही स्वरूप है और प्रत्येक युग में सम्प्रेषण कला का विशेष महत्व रहा है। रामायण काल में हनुमान जी के संवाद हों या महाभारत काल के यक्ष प्रश्न, दोनों में हुए सम्प्रेषण ने इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि रामायण काल में खोजी पत्रकारिता का उदाहरण हनुमान जी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्प्रेषण और पत्रकारिता में किसी भी घटना को प्रभावशीलता को व्यापक या सूक्ष्म स्वरूप देने की क्षमता विद्यमान है। वर्तमान और आने वाले समय में पत्रकारिता विधा में दक्ष हो रहे विद्यार्थियों पर यह महत्वपूर्ण दायित्व है कि वे सूचना सम्प्रेषण के माध्यम से समाज के नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था का बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए सदैव सजग, सक्रिय और तत्पर रहें। सत्य के लिए संघर्षशीलता से ही पत्रकारिता का समृद्ध स्वरूप जीवंत रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के वर्ष 2025-26 के सत्रारंभ तथा नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय 2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ ही देश की संस्कृति के प्रति भी संवेदनशील है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरू को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का माध्यम माना गया है। गुरू की इस गरिमा को स्थापित करने के उद्देश्य से ही प्रदेश के विश्वविद्यालयों में हमने कुलपति के स्थान पर 'कुलगुरु' शब्द के प्रयोग की परंपरा प्रारंभ की। यह हमारी शिक्षा परंपरा में गुरु को सर्वोच्च स्थान देने का प्रतीक है। राज्य सरकार भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ ही देश की संस्कृति के प्रति भी संवेदनशील है। हमारे प्रत्येक त्यौहार में कोई न कोई संदेश निहित है, जनसामान्य इन संदेशों में विद्यमान अर्थ को समझें, इस उद्देश्य से राज्य सरकार ने सभी त्यौहार धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में विजयादशमी को मात्र रावण दहन तक सीमित न रखते हुए इस महत्वपूर्ण त्यौहार पर शस्त्रपूजन भी आरंभ किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने अभ्युदय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं तथा आरंभ किए गए नवाचारों की जानकारी दी। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, भोपाल की महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक उमाकांत शर्मा सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के जीवन के गौरवशाली पक्षों को आगे लाना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में 'अभ्युदय' का अर्थ मात्र आरंभ नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने वाले उत्तरदायित्व की यात्रा है। नारद जी को पत्रकारिता का आद्य प्रवर्तक माना जाता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की पूरे देश में विशिष्ट पहचान है। यह गौरव का विषय है कि दादा माखनलाल का जन्म मध्यप्रदेश के बबाई नगर में हुआ और उन्होंने खंडवा को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से समाज को अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ एकजुट करने के साथ सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

समाज का छपे हुए शब्दों पर भरोसा कायम : डॉ. कुमार विश्वास

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र अभ्युदय-2025 की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में हुआ, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात कवि एवं रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कुमार विश्वास ने नवागत विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय में प्रवेश कर रहे हैं जिसकी सबसे बड़ी अनिवार्यता विश्वसनीयता है। उन्होंने कहा कि समाज का आज भी छपे हुए और बोले हुए शब्दों पर भरोसा कायम है। इस विश्वास को कायम रखना आने वाली

पत्रकार पीढ़ी की जिम्मेदारी है। मुख्य वक्ता जाने-माने कवि डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि देश की पत्रकारिता में पिछले 10-11 वर्षों में बहुत अंतर आया है। आज मीडिया में थोपे गए विषय नेपथ्य में जा रहे हैं और देश-तथा समाज से जुड़े जो अहम विषय पहले नजरअंदाज कर दिये जाते थे आज वे पत्रकारिता में प्रमुखता से नजर आने लगे हैं।

किसी विचार को केंद्र में रखते हुए तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता है

डॉ. विश्वास ने कहा कि किसी विचार को केंद्र में रखते हुए भी तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के युवा विद्यार्थी परम्परा से पत्रकारिता के पाठ सीख सकते हैं। भारत के ज्ञान और उसकी परंपरा के प्रति किसी भी प्रकार की ग्लानि का भाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने रामायण से जुड़े अनेक प्रसंगों में संचार के महत्व तथा हनुमान जी, अंगद की निर्भीकता, तटस्थता, समर्पण जैसे गुणों को पत्रकारिता के संदर्भों में समझाया। विद्यार्थियों को अपने संदेश में उन्होंने कहा कि युवा अध्ययनशील बनें और नैतिकता के साथ कार्य करते हुए राष्ट्रधर्म को सर्वोच्च रखें।

एआई के दौर में बदलती तकनीक पर हुआ संवाद

सत्रारंभ के पहले दिन सॉफ्ट स्किल्स पर संवाद करते हुए वरिष्ठ संपादक और लेखक एन. रघुरामन ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए लोगों से व्यवहार करने का कौशल, पूर्वाग्रह से मुक्त रहना, क्रोध को काबू में रखने के कौशल जैसे गुण बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में सॉफ्ट स्किल्स एक आवश्यक गुण है। इसके बाद एनिमेशन की दुनिया से जुड़े वरिष्ठ फिल्मकार तथा विशेषज्ञ आशीष कुलकर्णी ने एआई के दौर में बदलती तकनीकों पर संवाद किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हर कार्यक्षेत्र में तकनीक का समावेश हो चुका है। आने वाले दौर में मीडिया में वीडियो, वर्नाकुलर (क्षेत्रीय कंटेंट) और वाइस का बहुत योगदान बढ़ने वाला है। कुलकर्णी ने कहा कि तकनीक परिवर्तनशील होती है इसीलिए युवाओं को चाहिए कि वे अपने बुनियादी ज्ञान को बेहतर बनाएं।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
SWADESH JYOTI 21-08-2025

एमसीयू का सत्रारंभ कार्यक्रम 'अभ्युदय' आरंभ

सीएम ने किया एमसीयू में माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने पिछले पैंतीस वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। यहां से शिक्षा प्राप्त पत्रकारों ने मीडिया की दुनिया में मानक स्थापित किए हैं। वे यहां माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के अकादमिक सत्र 2025-2026 का सत्रारंभ समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे। इस मौके पर प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, राज्य शासन में मंत्री कृष्णा गौर, मेयर मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट उंची प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान अतिथियों ने परिसर में पौधरोपण भी किया। माखनलाल चतुर्वेदीजी की पत्रकारिता से जुड़े रतौना प्रसंग तथा ब्रिटिश हुकूमत की क्रूरता पर चर्चा करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि एमसीयू ने आज भी उस परंपरा को जीवित रखा है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जाने माने कवि और रामकथा विशेषज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि समाज का आज भी छपे हुए और बोले हुए शब्दों पर भरोसा कायम है। इस विश्वास को कायम रखना आने वाली पत्रकार

पीढ़ी की जिम्मेदारी आज मीडिया में थोपे गए विषय नेपथ्य में जा रहे हैं और देश तथा समाज से जुड़े जो अहम विषय पहले नजरअंदाज कर दिये जाते थे आज वे पत्रकारिता में प्रमुखता से नजर आने लगे हैं। डॉ. विश्वास ने कहा कि किसी विचार को केंद्र में रखते हुए भी तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता है। सत्रारंभ के पहले दिन साफ्ट स्किल्स पर संवाद करते हुए वरिष्ठ संपादक और लेखक एन. रघुरामन ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए लोगों से व्यवहार करने का कौशल,पूर्वाग्रहों से मुक्त रहना, क्रोध को काबू में रखने के कौशल जैसे गुण बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में सॉफ्ट स्किल्स एक आवश्यक गुण है। इसके बाद एनिमेशन की दुनिया से जुड़े वरिष्ठ फिल्मकार तथा विशेषज्ञ आशीष कुलकर्णी ने एआई के दौर में बदलती तकनीकों पर संवाद किया।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में हर कार्यक्षेत्र में तकनीक का समावेश हो चुका है। आने वाले दौर में मीडिया में वीडियो, वर्नाकुलर (क्षेत्रीय कंटेंट) और वाइस का बहुत योगदान बढ़ने वाला है। आज के अलग-अलग सत्रों में विश्वविद्यालय की पूर्व छात्राओं निधि परमार, जूही कुलश्रेष्ठ तथा स्वाति कौशिक ने भी विश्वविद्यालय में अपने अध्ययन और अनुभवों से जुड़े विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र में विनय उपाध्याय तथा बाद के सत्रों में प्रो. सीपी अग्रवाल, डॉ. अविनाश वाजपेयी तथा डॉ. अनीता सोनी ने संचालन किया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र के बाद आभार विवि की कुलसचिव प्रो. डॉ. पी. शशिकला ने किया। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने नवागंतुक विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि वे निरंतर अध्ययन करते रहें तथा अपने अभिभावकों की आशाओं पर खरा उतरने का प्रयास करें। कुलगुरू ने यह भी कहा कि आगामी समय में विश्वविद्यालय एआई, डीप फेक और साइबर सिक्योरिटी जैसे नए विषयों पर नए पाठ्यक्रम आरंभ करेगा।

बढ़ती हुए टैरिफ में भूरे बालों वाला फूफा चिंतित है : कुमार विश्वास

विश्वास ने कहा कि बढ़ती हुई टैरिफ में वो जो एक भूरे बालों वाला फूफा है। उसने हद कर दी है। वो दिन में तीन ट्वीट हमारे प्रधानमंत्री को करता है। बस अब वो यही कहने वाला है कि अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो मैं नस कांट लूंगा। अरे भाई तुझसे कोई बात नहीं कर रहा है तू अपना काम करे। एक स्वाधीन देश है और दूसरे प्रकार का नेतृत्व है। यह (पीएम) ऐसी आर्म ट्विस्टिंग करने वालों के साथ क्या करता है ना पता हो तो कांग्रेस में दोस्त हैं, उनसे पूछ ले। वो बता देंगे।सभी छात्रों को इसपर अध्ययन करना चाहिए कि बढ़ती हुई टैरिफ की धमकी के बीच देश की अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर ले कर जा सकते हैं। इस दौर में एक छोटा व्यापारी कैसे बड़ा बन सकता है। सुबह उठता हुं, टूथ पेस्ट हो या ब्रश सब बाहरी कंपनी के होते हैं। क्या भारत इतनी छोटी चीजें नहीं बना सकता है। इसपर ध्यान देने की जरूरत है।

मुझे विद्यार्थी दे दीजिए, जहाज पकड़ के आ जाऊंगा

कवि कुमार विश्वास ने कहा, शुद्ध रूप से कवि सम्मेलन की व्यावसायिकता को ऊपर ले जाने में मैने काफी श्रम किया। जिसमें काफी सफलता भी मिली। उस व्यावसायिकता के खांचे में यह कार्यक्रम फिट नहीं बैठता है। ऐसे में कुलगुरु ने मुझसे पूछा कि हम आपको क्या दे सकते हैं तो मैने कहा आप सिर्फ मुझे विद्यार्थी दे दीजिए। मैं जहाज पकड़ कर खुद आ जाऊंगा। आगे की सीट में जो सज्जन बैठें हैं, सभी परिचित हैं। यह संवाद के स्तर से ऊपर उठ गए हैं। मुझे ऐसा कोई भ्रम नहीं है कि इन्हें कुछ बोल कर सुधार दूंगा या कुछ सिखा दूंगा।

खोजी पत्रकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण देखना हो तो भगवान हनुमान से बेहतर कोई नहीं : सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र अभ्युदय-2025 की शुरुआत हुई। खोजी पत्रकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण भगवान हनुमान- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यदि खोजी पत्रकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण देखना हो तो भगवान हनुमान से बेहतर कोई नहीं। लंका जाने के दौरान उन्होंने परिस्थितियों की परवाह किए बिना हर जानकारी गहराई से जुटाई। अपनी जान हथेली पर रखकर जो आकलन और खोज उन्होंने की, वह पत्रकारिता की असली मिसाल है। हालात जैसे भी हों, उसके अनुसार स्वयं को ढाल लेना कभी साधारण रूप तो कभी विकराल रूप यह सब हनुमानजी से सीखने योग्य गुण हैं। डॉ. यादव ने कहा कि हमें गर्व है कि माखनलाल चतुर्वेदी हमारे मध्यप्रदेश के थे। आज उनकी प्रतिमा का अनावरण होना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों में 'कुलपति' की जगह 'कुलगुरु' शब्द अपनाने के पीछे का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कहा जब मैं शिक्षा मंत्री के रूप में इंदौर गया था, तब एक विश्वविद्यालय की कुलपति (वाइस चांसलर) के पति से भेंट हुई। उन्होंने अपना परिचय इस तरह दिया कि मैं आपके कुलपति का पति हूं। यह सुनकर मुझे गहरा धक्का लगा। तभी मैंने तय कर लिया कि इस गलत शब्द को बदलना ही होगा। दरअसल अंग्रेजी के वाइस चांसलर का अनुवाद हिंदी में 'कुलपति' कर दिया गया था, जो त्रुटिपूर्ण था। इसके बाद हमने महाराष्ट्र से जानकारी ली, जहां इसे 'कुलगुरु' कहा जाता है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
SUBAH SAVERA 21-08-2025

एमसीयू में सीएम ने किया नए शैक्षणिक सत्र अभ्युदय-2025 का शुभारंभ

सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है पत्रकारिता

लोकतांत्रिक व्यवस्था को बेहतर बनाने सजग-सक्रिय व तत्पर रहें, खोजी पत्रकारिता का उदाहरण भगवान हनुमान से बेहतर कोई नहीं

- मुख्य वक्ता के रूप में कवि कुमार विश्वास भी हुए शामिल
- पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का हुआ अनावरण
- फ्रंट पेज कवरेज पर केंद्रित प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केन्द्र

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राजधानी भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र अभ्युदय-2025 का शुभारंभ सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में कवि डॉ. कुमार विश्वास ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस दौरान माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि यदि खोजी पत्रकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण देखना हो तो भगवान हनुमान से बेहतर कोई नहीं। लंका जाने के दौरान उन्होंने परिस्थितियों की परवाह किए बिना हर जानकारी गहराई से जुटाई। अपनी जान हथेली पर रखकर जो आकलन और खोज उन्होंने की, वह पत्रकारिता की असली मिसाल है। हालात जैसे भी हों, उसके अनुसार स्वयं को ढाल लेना कभी साधारण रूप तो कभी विकराल रूप यह सब हनुमानजी से सीखने योग्य गुण है। सीएम ने कहा कि हमें गर्व है कि माखनलाल चतुर्वेदी हमारे मध्यप्रदेश के थे।

मुख्यमंत्री ने लगाया कृष्णवट का पौधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिसर में स्थापित दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया और पौधरोपण अभियान के अंतर्गत का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री ने 100 साल: 100 सुर्खियां-स्वाधीनता से पहले और स्वाधीनता के बाद की देश की महत्वपूर्ण घटनाओं पर विभिन्न समाचार पत्रों के फ्रंट पेज कवरेज पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री को कर्मवीर समाचार पत्र का चित्र और विश्वविद्यालय द्वारा विकसित साहित्य भेंटकर विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत किया। कुमार विश्वास और सचिव जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाडे ने भी पौधरोपण किया।

सीएम हाऊस में पाली जा रही है गाय

कुमार विश्वास ने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर गाय पाली जाती है या कुत्ता पाला जाता है, यह सीएम तय करता है। मुख्यमंत्री कार्यालय तय नहीं करता है। आज मध्यप्रदेश में सीएम हाऊस में गाय पाली जा रही है। कल दूसरी परंपरा का मुख्यमंत्री हो तो उसके यहां कुत्तों की फौज नजर आएगी। यह आपके ऊपर है कि आपको किस चीज का प्रदर्शन करना है।

आज उनकी प्रतिमा का अनावरण होना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मैं शिक्षा मंत्री के रूप में इंदौर गया था, तब एक विश्वविद्यालय की कुलपति के पति से भेंट हुई। उन्होंने अपना परिचय इस तरह दिया कि मैं आपके कुलपति का पति हूं। यह सुनकर मुझे गहरा धक्का लगा। तभी मैंने तय कर लिया कि इस गलत शब्द को बदलना ही होगा। दरअसल अंग्रेजी के वाइस चांसलर का अनुवाद हिंदी में 'कुलपति' कर दिया गया था, जो त्रुटिपूर्ण था। इसके बाद हमने महाराष्ट्र से जानकारी ली, जहां इसे कुलगुरु कहा जाता है। यह शब्द अधिक उपयुक्त लगा और हमने इसे ही अपनाते हुए प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय प्रमुखों के लिए 'कुलगुरु' शब्द निर्धारित किया। नवागत विद्यार्थियों के स्वागत सत्र का भी आयोजन हुआ, जिसमें उन्हें विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा और सामाजिक सरोकारों से गहराई से जुड़ने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस दौरान पोषण अभियान का समापन भी हुआ। अभियान के तहत 1111 पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया गया। तीन दिवसीय अभ्युदय-2025 कार्यक्रम 22 अगस्त तक चलेगा। वहीं कवि कुमार विश्वास ने अपने संबोधन में कहा कि कुत्ते बुरी चीज नहीं हैं। मैं माननीय से असहमत हूं जो वो कर रहे हैं। बोल नहीं सकता वर्ना कंटेम्प्ट हो जाएगा। लेकिन, इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त करता हूं कि उन्होंने यह कहा कि दिल्ली से चार टांग वाले निकालो वर्ना कौन पकड़ लिया जाता। विश्वास ने कहा कि बढ़ती हुई टैरिफ में वो जो एक भूरे बालों वाला फूफा है। उसने हद कर दी है। वो दिन में तीन ट्वीट हमारे प्रधानमंत्री को करता है। बस अब वो यही कहने वाला है कि अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो मैं नस काट लूंगा। अरे भाई तुझसे कोई बात नहीं कर रहा है तू अपना काम करे। एक स्वाधीन देश है और दूसरे प्रकार का नेतृत्व है। उन्होंने कहा कि यह (पीएम) ऐसी आर्म ट्विस्टिंग करने वालों के साथ क्या करता है ना पता हो तो कांग्रेस में दोस्त हैं, उनसे पूछ ले। वो बता देंगे। सभी छात्रों को इसपर अध्ययन करना चाहिए कि बढ़ती हुई टैरिफ की धमकी के बीच देश की अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर ले कर जा सकते हैं। इस दौर में एक छोटा व्यापारी कैसे बड़ा बन सकता है। सुबह उठता हूं, टूथ पेस्ट हो या ब्रश सब बाहरी कंपनी के होते हैं। क्या भारत इतनी छोटी चीजें नहीं बना सकता है। इसपर ध्यान देने की जरूरत है।

आप मुझे विद्यार्थी दें, मैं जहाज पकड़ के आ जाऊंगा

कवि विश्वास ने कहा कि शुद्ध रूप से कवि सम्मेलन की व्यावसायिकता को ऊपर ले जाने में मैंने काफी श्रम किया। उस व्यावसायिकता के खांचे में यह कार्यक्रम फिट नहीं बैठता है। ऐसे में कुलगुरु ने मुझसे पूछा कि हम आपको क्या दे सकते हैं तो मैंने कहा आप सिर्फ मुझे विद्यार्थी दे दीजिए। मैं जहाज पकड़ कर खुद आ जाऊंगा। आगे की सीट में जो सज्जन बैठे हैं, सभी परिचित हैं। यह संवाद के स्तर से ऊपर उठ गए हैं। मुझे ऐसा कोई भ्रम नहीं है कि इन्हें कुछ बोल कर सुधार दूंगा या कुछ सिखा दूंगा। जो पीछे स्टूडेंट्स बैठे हैं, उनके सामने पूरा कर्मक्षेत्र पड़ा हुआ है।

अचानक गुल हो गई बिजली

कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव जैसे पहुंचे, अचानक बिजली गुल हो गई। सीएम की सुरक्षा में तैनात जवानों ने तुरंत मंच को चारों ओर से घेर लिया। इसके साथ ही करीब 8 सुरक्षा कर्मियों मंच पर बैठे मुख्यमंत्री डॉ. यादव और कवि कुमार विश्वास के चारों ओर घेरा बना लिया। करीब दो मिनट तक बिजली गुल रही। इस दौरान बच्चों से लेकर सुरक्षा कर्मी फोन की फ्लैश जलाकर रोशनी करने का प्रयास करते रहे। माहौल को सकारात्मक बनाने के लिए छात्रों ने भारत माता की जय के नारे लगाए।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
SATTA SUDHAR 21-08-2025

एमसीयू का सत्रारंभ समारोह: दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का किया अनावरण

सीएम ने कहा-देवर्षि नारद लोककल्याण भाव हनुमानजी खोजी पत्रकार का अच्छा उदाहरण

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

समाज के संचालन में पत्रकारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के अकादमिक सत्र 2025-2026 के सत्रारंभ समारोह में कही। उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद आदि पत्रकार हैं जिनके जीवन और कार्यव्यवहार से हमें ज्ञात होता है कि अगर पत्रकारिता में लोककल्याण का भाव होगा तो पत्रकारिता बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री ने रामायणकाल में हनुमानजी को भी एक खोजी पत्रकार के बतौर महत्वपूर्ण संदेश देने वाला बताया। उन्होंने एमसीयू द्वारा मीडिया की दुनिया में मानक स्थापित करने की सराहना की। इस अवसर पर मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े उपस्थित रहे। अतिथियों ने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट उंची प्रतिमा का अनावरण और पौधरोपण किया।

अभिभावकों की आशाओं पर खरा उतरें: तिवारी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने नवागंतुक विद्यार्थियों को अध्ययनशील रहने और अभिभावकों की आशाओं पर खरा उतरने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि एमसीयू अब एआई, डीप फेक और साइबर सिक्योरिटी जैसे नए पाठ्यक्रम आरंभ करेगा।

सफलता के लिए व्यवहार कौशल पूर्वाग्रहों से मुक्त, क्रोध पर काबू रखना जरूरी: एन रघुरामन

साफ्ट स्किल्स पर वरिष्ठ संपादक और लेखक एन. रघुरामन ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए लोगों से व्यवहार करने का कौशल, पूर्वाग्रहों से मुक्त रहना, क्रोध को काबू में रखने के कौशल जैसे गुण बहुत जरूरी हैं। फिल्मकार आशीष कुलकर्णी ने एआई के दौर में बदलती तकनीकों पर संवाद करते हुए कहा कि आने वाले दौर में मीडिया में वीडियो, वर्नाकुलर (क्षेत्रीय कंटेंट) और वाइस का बहुत योगदान बढ़ने वाला है। सत्रारंभ सत्रों में विनय उपाध्याय, प्रो. सीपी अग्रवाल, डॉ. अविनाश वाजपेयी ने संबोधित किया। डॉ. अनीता सोनी ने संचालन किया। आभार कुलसचिव डॉ. पी शशिकला ने माना।

बढ़ते हुए टैरिफ में भूरे बालों वाला फूफा सबसे ज्यादा चिंतित

कार्यक्रम में सबसे खास रहा प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास का उद्‍बोधन। विश्वास बोले, बढ़ती हुई टैरिफ में भूरे बालों वाला फूफा सबसे ज्यादा चिंतित है। वो हमारे प्रधानमंत्री को दिन में तीन ट्वीट करता है। बस अब वो यही कहने वाला है कि अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो मैं नस कांट लूंगा। अरे भाई तुझसे कोई बात नहीं कर रहा है तू अपना काम कर। एक स्वाधीन देश है और दूसरे प्रकार का नेतृत्व है। यह (पीएम) ऐसी आर्म ट्विस्टिंग करने वालों के साथ क्या करता है, ना पता हो तो कांग्रेस में दोस्त हैं, उनसे पूछ ले।

डिजिटल प्लेटफॉर्म से पहले हाथों पर लगी हो अखबार की स्याही

कुमार विश्वास ने कहा ये जो पीछे स्टूडेंट्स बैठे हैं, उनके सामने पूरा कर्मक्षेत्र पड़ा है। मैं इन्हीं से बात करने आया हूं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा पत्रकारिता को केवल पेशा नहीं, बल्कि तपस्या समझकर निभाना। अगर पत्रकारिता करनी है तो पहले तीन साल प्रिंट मीडिया में दें। टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जाने से पहले अखबार की स्याही आपके हाथों पर लगी होनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारिता को समझाने के लिए रामायण के पात्रों का सहारा लिया।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
RAJ EXPRESS 21-08-2025

सीएम ने देखी 'अभ्युदय 25' प्रदर्शनी...

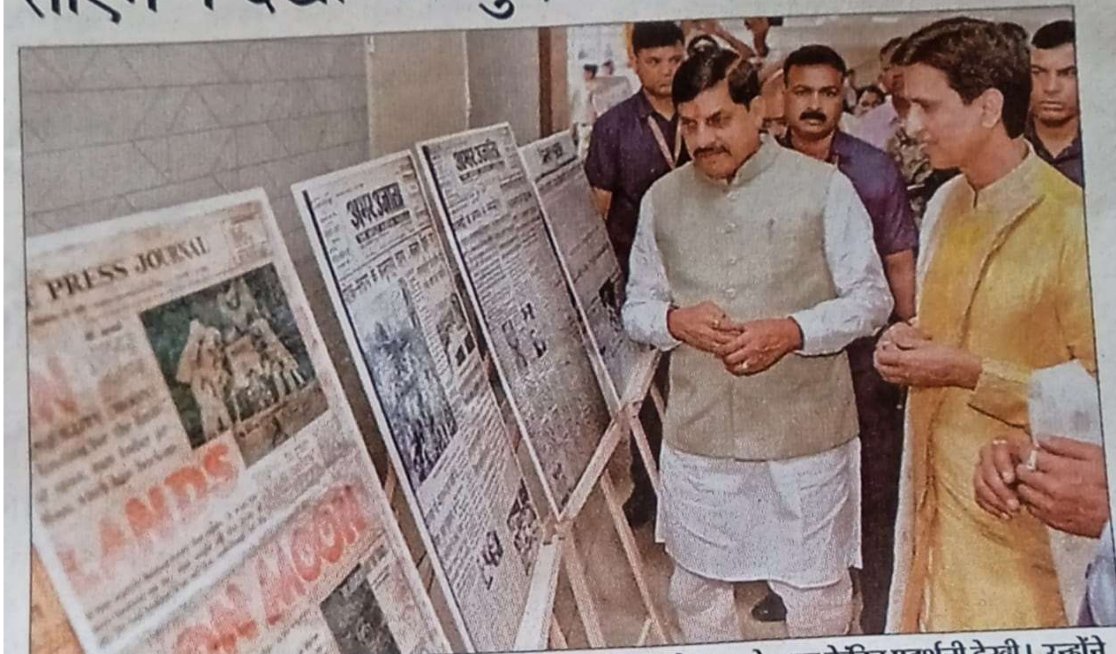

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय 2025' के स्वाधीनता से पहले और स्वाधीनता के बाद की भारत की महत्वपूर्ण घटनाओं पर विभिन्न समाचार पत्रों के फ्रंट पेज कवरेज पर केंद्रित प्रदर्शनी देखी। उन्होंने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान कवि कुमार विश्वास भी साथ थे।

-देखें पेज-05

पीपुल्स समाचार

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
PEOPLES SAMACHAR 21-08-2025

सत्य की खोज, समाज को नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है पत्रकारिता: मुख्यमंत्री

एमसीयू में दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का किया अनावरण

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल

editor@peoplessamachar.co.in

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पत्रकारिता, संप्रेषण का ही स्वरूप है। प्रत्येक युग में संप्रेषण कला का विशेष महत्व रहा है। रामायण काल में हुनमान जी के संवाद हों या महाभारत के यक्ष प्रश्न। दोनों में संप्रेषण ने इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यादव माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के वर्ष 2025-26 के सत्रारंभ तथा प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय 2025 को संबोधित कर ये विचार रखे। मुख्यमंत्री ने मंत्रोचार के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने परिसर में दादा माखनलाल की प्रतिमा का अनावरण किया और पौधा रोपा।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

'100 साल : 100 सुर्खियां- स्वाधीनता से पहले और स्वाधीनता के बाद' की देश की महत्वपूर्ण घटनाओं पर समाचार पत्रों के फ्रंट पेज कवरेज पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कुलगुरु डॉ. विजय मनोहर तिवारी ने उनका स्वागत किया। उन्हें जनजातीय चित्रकला से निर्मित चित्र भी भेंट किया गया। प्रख्यात कवि कुमार विश्वास और सचिव जनसंपर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने भी पौधरोपण किया।

प्रिंट मीडिया से भाषा, समझ व समाचार में आती है दक्षता

प्रख्यात कवि कुमार विश्वास ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब देश को आवश्यकता हुई, युवा पीढ़ी ने बेहतरी के लिए संघर्ष किया। उन्होंने सोशल मीडिया के दौर में विश्वसनीयता के संकट का जिक्र करते हुए कहा कि युवा पत्रकारों को भाषा, पत्रकारिता की समझ और समाचार लेखन में दक्षता के लिए कम से कम तीन साल प्रिंट मीडिया में अवश्य कार्य करना चाहिए। विश्वास ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विश्वविद्यालयों में कुलपति को कुलगुरु का संबोधन प्रदान करने की पहल की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
PEOPLES DAMACHAR 21-08-2025

पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी है उसकी विश्वसनीयता : कवि कुमार विश्वास

कार्यक्रम ● एमसीयू में सत्रारंभ के अवसर पर 'अभ्युदय' कार्यक्रम का आयोजन

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पिछले 60-65 वर्षों में पत्रकारिता में स्थायित्व आया है। लोगों को यह समझ में आ गया है कि विचारधारा के केंद्र कहां हैं और किस दिशा में लिखने से क्या लाभ होगा। पिछले 11 वर्षों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य बदल चुका है। देश की वैचारिकी के मुख्य बिंदु भी परिवर्तित हुए हैं। कई वर्षों से उपेक्षित विषय अब प्रासंगिक हो गए हैं, जबकि थोपे गए विषय अब नेपथ्य में चले गए हैं। ऐसे में बेचैनी और कुलबुलाट होना स्वाभाविक है। इस प्रकार, आज की पत्रकारिता सबसे चुनौतीपूर्ण पेशा बन गई है। यह विचार जाने-माने कवि डा. कुमार विश्वास ने व्यक्त किए।

वे बुधवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के अकादमिक सत्र 2025-2026 के सत्रारंभ और नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय' में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने परिसर में स्थापित माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस मौके पर कृष्णवट का पौधा भी रोपा।

डा. कुमार विश्वास ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप एक कठिन पेशे में प्रवेश कर रहे हैं। आपको अपनी क्षमताओं को पहचानना होगा। अब यह सोचने का समय है कि पत्रकारिता का विचार या विचारों की पत्रकारिता। हमारे देश में छपे और बोले गए शब्दों को आज भी सत्य माना जाता है। इंटरनेट मीडिया के इस युग में, आपकी विश्वसनीयता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है, जिसके माध्यम से आप अपने पेशे को ऊंचाई तक ले जा सकते हैं। उन्होंने युवा पत्रकारों को सलाह दी कि वे अपनी भाषा, पत्रकारिता की समझ और समाचार लेखन में दक्षता प्राप्त करने के लिए कम से कम तीन वर्षों तक प्रिंट मीडिया में कार्य करें।

एमसीयू में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी। ● नवदुनिया

एमसीयू परिसर में पौधा रोपने के बाद उसे पानी से सींचते मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव समीप खड़े कवि कुमार विश्वास और कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी। ● नवदुनिया

सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है पत्रकारिता : मुख्यमंत्री यादव

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला, कहा कि यह संप्रेषण का स्वरूप है। उन्होंने रामायण और महाभारत के उदाहरण देते हुए बताया कि संप्रेषण ने इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पत्रकारिता में घटनाओं की प्रभावशीलता को व्यापक या सूक्ष्म स्वरूप देने की क्षमता है। वर्तमान व भविष्य में पत्रकारिता के विद्यार्थियों पर यह दायित्व है कि वे सूचना संप्रेषण से समाज के नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सजग रहें। सत्य के लिए संघर्षशीलता से पत्रकारिता का समृद्ध स्वरूप जीवंत रहेगा। पत्रकारिता का अभ्युदय केवल आरंभ नहीं, बल्कि जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने की यात्रा है।

तकनीकी सत्र व व्याख्यान हुए

तकनीकी सत्र में टाइम मैनेजमेंट गुरु विजय अग्रवाल 'उत्कृष्टता के लिए समय प्रबंधन' विषय पर विद्यार्थियों से संवाद किया। फिल्मकार सुदीप सोहनी ने 'स्वतंत्र फिल्म निर्माण में अवसर' पर चर्चा की। अगले सत्र में 'साफ्ट स्किल्स' पर प्रख्यात स्तंभकार व लेखक एन. रघुरामन का व्याख्यान हुआ। 'एआइ इन्फ्लुएंस्ड मीडिया टेक्नोलाजी' पर आशीष कुलकर्णी का उद्बोधन भी हुआ।

प्रभु श्रीराम, हनुमानजी और अंगद संप्रेषण कला के विशेषज्ञ

'रामायण में संचार' विषय पर बोलते हुए रामकथा विशेषज्ञ कुमार विश्वास ने प्रभु श्रीराम, हनुमानजी व अंगद को संप्रेषण कला का विशेषज्ञ बताया। उन्होंने कहा कि वनवास के दौरान श्रीराम ने वनवासियों, वानरों व दलितों से बेहतर संवाद किया था। हनुमानजी और अंगद भगवान की सारी सूचनाएं समग्रता के साथ देते थे। उन्होंने चाणक्य की संप्रेषण कला का उल्लेख करते हुए कहा कि सामान्य नागरिक, सामान्य हितचिंतक और संस्कृतियों का सम्मान करते हुए किया गया संप्रेषण सर्वाधिक प्रभावी होता है। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने अभ्युदय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विवि की प्राथमिकताओं तथा आरंभ किए गए नवाचारों की जानकारी दी।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
NAVADUNIA 21-08-2025

हिंदी को पुन : प्रतिष्ठित करने में चतुर्वेदी की भूमिका

भोपाल, 20 अगस्त. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने हिंदी को पुन: प्रतिष्ठित करने में अहम भूमिका निभाई और ये राज्य के लिए गर्व की बात है कि उनका जन्म मध्यप्रदेश में हुआ.

डॉ यादव ने यहां स्थित माखनलाल चतुर्वेदी विश्व विद्यालय में तीन दिवसीय अभ्युदय-2025 का उद्घाटन कर पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया.

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, कवि डॉ कुमार विश्वास और विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी उपस्थित रहे. समारोह को संबोधित करते हुए डॉ यादव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की पूरे देश में विशिष्ट पहचान है.

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने हिंदी भाषा को पुनर्प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण अभियान चलाया. हमें गर्व है कि ऐसे महापुरुष और महान कवि का जन्म मध्यप्रदेश की धरती पर हुआ. उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों में सरकार ने कुलपति के स्थान पर 'कुलगुरु' शब्द के प्रयोग की परंपरा प्रारंभ की. यह हमारी शिक्षा परंपरा में गुरु को सर्वोच्च स्थान देने का प्रतीक है.

> डॉ यादव ने कहा कि देवर्षि नारद को पत्रकारिता का आद्य प्रवर्तक माना जाता है. पत्रकारिता के क्षेत्र में 'अभ्युदय' का अर्थ मात्र आरंभ नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने वाले उत्तरदायित्व की यात्रा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रत्येक पर्व हमें कोई न कोई संदेश देते हैं. दशहरा का पर्व पुरुषार्थ का संदेश देता है और यह बात माखन दादा से भी जुड़ती है. उन्होंने पत्रकार रहते हुए देश और समाज के हित के लिए आंदोलन का भी रास्ता अपनाया.

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
NAVABHARAT 21-08-2025

खोजी पत्रकारिता का उदाहरण हनुमानः सीएम डॉ. मोहन

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में अभ्युदय का शुभारंभ

मध्य स्वर्णिम

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र अभ्युदय-2025 की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में कवि डॉ. कुमार विश्वास ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

इस दौरान माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि यदि खोजी पत्रकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण देखना हो तो भगवान हनुमान से बेहतर कोई नहीं। लंका जाने के दौरान उन्होंने परिस्थितियों की परवाह किए बिना हर जानकारी गहराई से जुटाई।

अपनी जान हथेली पर रखकर जो आकलन और खोज उन्होंने की, वह पत्रकारिता की असली मिसाल है। हालात जैसे भी हों, उसके अनुसार स्वयं को ढाल लेना कभी साधारण रूप तो कभी विकराल रूप यह सब हनुमानजी से सीखने योग्य गुण हैं। सीएम ने कहा कि हमें गर्व है कि माखनलाल चतुर्वेदी हमारे मध्यप्रदेश के थे। आज उनकी प्रतिमा का अनावरण होना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मैं शिक्षा मंत्री के रूप में इंदौर गया था, तब एक विश्वविद्यालय की कुलपति (वाइस चांसलर) के पति से भेंट हुई। उन्होंने अपना परिचय इस तरह दिया कि मैं आपके कुलपति का पति हूं। यह सुनकर मुझे गहरा धक्का लगा। तभी मैंने तय कर लिया कि इस गलत शब्द को बदलना ही होगा। दरअसल अंग्रेजी के वाइस चांसलर का अनुवाद हिंदी में 'कुलपति' कर दिया गया था, जो त्रुटिपूर्ण था। इसके बाद हमने महाराष्ट्र से जानकारी ली, जहां इसे कुलगुरु कहा जाता है। यह शब्द अधिक उपयुक्त लगा और हमने इसे ही अपनाते हुए प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय प्रमुखों के लिए 'कुलगुरु' शब्द निर्धारित किया। कुमार विश्वास ने अपने संबोधन में कहा कि कुत्ते बुरी चीज नहीं हैं। मैं माननीय से असहमत हूं, जो वो कर रहे हैं। बोल नहीं सकता वर्ना कंटेम्प्ट हो जाएगा। लेकिन, इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त करता हूं कि उन्होंने यह कहा कि दिल्ली से चार टांग वाले निकालो वर्ना कौन पकड़ लिया जाता।

सीएम हाउस में गाय

विश्वास ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर गाय पाली जाती है या कुत्ता पाला जाता है, यह सीएम तय करता है। मुख्यमंत्री कार्यालय तय नहीं करता है। आज मध्यप्रदेश में सीएम हाउस में गाय पाली जा रही है। कल दूसरी परंपरा का मुख्यमंत्री हो तो उसके यहां कुत्तों की फौज नजर आएगी। यह आपके ऊपर है कि आपको किस चीज का प्रदर्शन करना है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
MADHYA SWARNIM 21-08-2025

माखनलाल विवि में बोले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

पत्रकारिता का दायित्व है जागरूकता और सत्य की खोज

▪ भोपाल, लोकदेश रिपोर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकारिता को जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व बताया। उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सत्रारंभ कार्यक्रम अभ्युदय 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता सिर्फ सूचना देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का भी काम करती है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
LOKDESH 21-08-2025

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में आयोजित 'अभ्युदय' कार्यक्रम में आए कुमार विश्वास ने कहा...

पत्रकारिता करने वाले बच्चों को अंगद और हनुमान से लेनी चाहिए तटस्थता और निर्भीकता की सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आजकल पत्रकारिता करने वाले बच्चों को अंगद और हनुमान से तटस्थ रहने की प्रेरणा लेनी चाहिए, जिस प्रकार हनुमान ने अपने तटस्थता को साबित करते हुए लंका दहन के बाद श्री राम को रावण की हकीकत बताते हुए कहा कि वह प्रकांड ब्राह्मण, बड़े वेदों का ज्ञाता और सुंदर कद काठी का मालिक है तो वही अंगद ने भी रावण के दरबार में श्री राम का पक्ष रखते हुए कहा कि मैंने चांदी और सोना की चोरी करने वाले तो बहुत देखे हैं, लेकिन किसी की पत्नी को चुराने वाला पहली बार देखने आया हूं...

भावी पत्रकारों को तटस्थता की यह सीख दी प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास ने। जो बुधवार को माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में आयोजित 'अभ्युदय' कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण भी किया।

फूफा भी कुर्सी पर बैठकर गलती करे तो लिखो और दुनिया के सामने हकीकत लाओ....

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करते हुए कुमार विश्वास ने कहा कि हम अपने देश में पक्ष और विपक्ष हो सकते हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम एक हैं और हिंदुस्तान नंबर वन है। उन्होंने कहा कि देश की पत्रकारिता में पिछले 10-11 वर्षों में बहुत अंतर आया है। आज मीडिया में थोपे गए विषय नेपथ्य में जा रहे हैं और देश तथा समाज से जुड़े जो अहम विषय पहले नजरअंदाज कर दिये जाते थे आज वे पत्रकारिता में प्रमुखता से नजर आने लगे हैं। एक सच्चा पत्रकार बनने की सीख देते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा पत्रकार वह है कि यदि उसका फूफा भी कुर्सी पर बैठा है और वह गलत कर रहा है तो उसकी गलती को लिखो और दुनिया के सामने लेकर आओ।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ ही कुमार विश्वास, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, राज्य शासन में मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाडे कविशेष रूप से उपस्थित रहे।

आज हर क्षेत्र में सॉफ्ट स्किल्स एक आवश्यक गुण है....

वहीं वरिष्ठ संपादक और लेखक एन. रघुरामन ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए लोगों से व्यवहार करने का कौशल, पूर्वाग्रहों से मुक्त रहना, क्रोध को काबू में रखने के कौशल जैसे गुण बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में सॉफ्ट स्किल्स एक आवश्यक गुण है। इसके बाद एनिमेशन की दुनिया से जुड़े वरिष्ठ फिल्मकार तथा विशेषज्ञ श्री आशीष कुलकर्णी ने एआई के दौर में बदलती तकनीकों पर संवाद किया।

कुमार विश्वास बोले

- देश में आज भी छपे और बोले गए शब्दों पर लोगों का भरोसा कायम है। इसलिए पत्रकारिता की विश्वसनीयता सबसे बड़ा सवाल है। इसके लिए जिंदगी लगा दें।
- यह कहना सबसे बड़ा झूठ है कि हम जनता की पसंद का कंटेंट देते हैं। लोकरुचि के नियामक हम हैं। अपने पाठकों की रुचि बनाना भी हमारा काम है।
- विचार और पत्रकारिता के बीच का अंतर नारद बताते हैं। वे नारायण भक्त हैं, किंतु उनके दरबार में भी सच बोल सकते हैं।

पत्रकारिता के विद्यार्थी नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सदैव सजग, सक्रिय और तत्पर रहें

मुख्यमंत्री ने कहा, गर्व का विषय है कि पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने मध्यप्रदेश को अपनी कर्मभूमि बनाया

मुख्यमंत्री ने कहा- पत्रकारिता, सम्प्रेषण का ही स्वरूप है और प्रत्येक युग में सम्प्रेषण कला का विशेष महत्व रहा है

कुमार विश्वास ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब-जब देश को आवश्यकता हुई, युवाओं ने संघर्ष किया

बुधवार को राजधानी स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सत्रारंभ पर अभ्युदय-2025 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पत्रकारिता के क्षेत्र में अभ्युदय का अर्थ मात्र आरंभ नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने वाले उत्तरदायित्व की यात्रा है। नारदजी को पत्रकारिता का आद्य प्रवर्तक माना जाता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि की पूरे देश में विशिष्ट पहचान है। यह गौरव का विषय है कि दादा माखनलाल का जन्म मध्यप्रदेश के बबाई नगर में हुआ और उन्होंने खंडवा को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से समाज को अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ एकजुट करने के साथ सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हर युग में सम्प्रेषण कला का विशेष महत्व रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पत्रकारिता, सम्प्रेषण का ही स्वरूप है और प्रत्येक युग में सम्प्रेषण कला का विशेष महत्व रहा है। रामायण काल में हुनमानजी के संवाद हों या महाभारत काल के यक्ष प्रश्न, दोनों में हुए सम्प्रेषण ने इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान और आने वाले समय में पत्रकारिता विधा में दक्ष हो रहे विद्यार्थियों पर यह महत्वपूर्ण दायित्व है कि वे सूचना सम्प्रेषण के माध्यम से समाज के नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था का बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए सदैव सजग, सक्रिय और तत्पर रहें।

संवेदनशील है राज्य सरकार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का माध्यम माना गया है। गुरु की इस गरिमा को स्थापित करने के उद्देश्य से ही प्रदेश के विश्वविद्यालयों में हमने कुलपति के स्थान पर कुलगुरु शब्द के प्रयोग की परंपरा शुरू की। यह हमारी शिक्षा परंपरा में गुरु को सर्वोच्च स्थान देने का प्रतीक है।

प्रिंट मीडिया का अनुभव आवश्यक

प्रख्यात कवि कुमार विश्वास ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब-जब देश को आवश्यकता हुई, युवा पीढ़ी ने देश की बेहतरी के लिए संघर्ष किया। उन्होंने चाणक्य की सम्प्रेषण कला का उल्लेख करते हुए कहा कि सामान्य नागरिक, सामान्य हितचिंतक और परस्पर संस्कृतियों का सम्मान करते हुए किया गया सम्प्रेषण सर्वाधिक प्रभावी और ग्राह्य होता है। उन्होंने हनुमानजी और अंगद को सम्प्रेषण कला का विशेषज्ञ बताया। उन्होंने सोशल मीडिया के दौर में विश्वसनीयता के संकट का जिक्र करते हुए कहा कि युवा पत्रकारों को अपनी भाषा, पत्रकारिता की समझ और समाचार लेखन में दक्षता प्राप्त करने के लिए कम से कम तीन साल प्रिंट मीडिया में अवश्य कार्य करना चाहिए। विवि के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने नवाचारों की जानकारी दी।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
HARIBHOOMI 21-08-2025

Dogs aren't bad but I can't speak much: Kumar Vishwas on SC order

Condemns Trump for tariff

Our Staff Reporter

BHOPAL

Poet Kumar Vishwas has said that dogs are not bad. "But I can't speak much on the Supreme Court's order to make Delhi-NCR stray dogs-free otherwise it will be contempt of court," he said.

"Whether a cow or a dog should be kept at the chief minister's residence is decided by the chief minister. The CM's Office does not decide. Nowadays, in Madhya Pradesh, cows are being reared in CM House. Tomorrow if there is a chief minister from a different tradition, then an army of dogs will be seen at his residence. It is his or her choice what s/he wants to display," he added.

Vishwas was speaking at the inaugural-day of three-day Abhyudaya - 2025, the orientation session for new students, at Makhanlal Chaturvedi National Journalism and Communication University in the city on Wednesday.

Chief minister Mohan Yadav looks at Free Press Journal newspaper kept along with other publications at the newspaper exhibition at Makhanlal Chaturvedi National Journalism University on Wednesday

The poet also attacked US President Donald Trump on the tariff issue. He said Trump crossed all limits in the rising tariffs. He tweets three times a day to our Prime Minister.

"From toothpaste to toothbrush everything in India is produced by foreign companies. We should at least ensure that things of daily use are produced locally," he said, adding, "All students should study how to take country's economy to new heights amid the threat of rising tariffs," Vishwas added

> Lord Hanuman is the biggest example of investigative journalism. Adapting oneself according to the situation, sometimes in a simple form and sometimes in a fierce form, all these are qualities to be learned from Hanumanji. We are proud that Makhanlal Chaturvedi was from Madhya Pradesh. Today, it is a matter of great pride for us that his statue is being unveiled.
>
> **Mohan Yadav,**
> chief minister

Power cut

As soon as the chief minister Mohan Yadav and poet Dr Kumar Vishwas reached the auditorium, electricity went off. The CM's security personnel immediately surrounded the stage from all sides. About eight security personnel surrounded Yadav and Kumar sitting on the stage. During the two-minute power cut, students and security personnel tuned on their phone flash light. To lighten up the atmosphere, the students raised slogans, Bharat Mata ki Jai.

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
FREEPRESS 21-08-2025

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में अभ्युदय कार्यक्रम में सीएम डॉ. यादव बोले...

खोजी पत्रकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण भगवान हनुमान

● भोपाल, ईएमएस।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र अभ्युदय-2025 की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी मे हुआ, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात कवि एवं रामकथा मर्मज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने विद्यार्थियो को संबोधित किया। इस अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। साथ ही नवागत विद्यार्थियों के स्वागत सत्र का भी आयोजन हुआ, जिसमें उन्हें विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा और सामाजिक सरोकारों से गहराई से जुड़ने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। इस दौरान पोषण अभियान का समापन भी हुआ। अभियान के तहत 1111 पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया गया। तीन दिवसीय अभ्युदय-2025 कार्यक्रम 22 अगस्त तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यदि खोजी पत्रकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण देखना हो तो भगवान हनुमान से बेहतर कोई नहीं। लंका जाने के दौरान उन्होंने परिस्थितियों की परवाह किए बिना हर जानकारी गहराई से जुटाई। अपनी जान हथेली पर रखकर जो आकलन और खोज उन्होंने की, वह पत्रकारिता की असली मिसाल है। हालात जैसे भी हों, उसके अनुसार स्वयं को ढाल लेना कभी साधारण रूप तो कभी विकराल रूप यह सब हनुमानजी से सीखने योग्य गुण हैं। डॉ. यादव ने कहा कि हमें गर्व है कि माखनलाल चतुर्वेदी हमारे मध्यप्रदेश के थे।

मुझे विद्यार्थी दे दीजिए, जहाज पकड़ के जाऊंगा

कवि कुमार विश्वास ने कहा, शुद्ध रूप से कवि सम्मेलन की व्यावसायिकता को ऊपर ले जाने में मैने काफी श्रम किया। जिसमें काफी सफलता भी मिली। उस व्यावसायिकता के खांचे में यह कार्यक्रम फिट नहीं बैठता है। ऐसे में कुलगुरु ने मुझसे पूछा कि हम आपको क्या दे सकते हैं तो मैने कहा आप सिर्फ मुझे विद्यार्थी दे दीजिए। मैं जहाज पकड़ कर खुद आ जाऊंगा। आगे की सीट में जो सज्जन बैठें हैं, सभी परिचित हैं। यह संवाद के स्तर से ऊपर उठ गए हैं। मुझे ऐसा कोई भ्रम नहीं है कि इन्हें कुछ बोल कर सुधार दूंगा या कुछ सिखा दूंगा। जो पीछे स्टूडेंट्स बैठे हैं, उनके सामने पूरा कर्मक्षेत्र पड़ा हुआ है। इनसे बात करने के लिए आज मैं यहां आया हुं।

बढ़ते हुए टैरिफ में भूरे बालों वाला फूफा चिंतित है

कार्यक्रम में कवि कुमार विश्वास ने अपने संबोधन में कहा कि बढ़ती हुई टैरिफ में वो जो एक भूरे बालों वाला फूफा है। उसने हद कर दी है। वो दिन में तीन ट्वीट हमारे प्रधानमंत्री को करता है। बस अब वो यही कहने वाला है कि अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो मैं नस कांट लूंगा। अरे भाई तुझसे कोई बात नहीं कर रहा है तू अपना काम करे। एक स्वाधीन देश है और दूसरे प्रकार का नेतृत्व है। यह (पीएम) ऐसी आर्म ट्विस्टिंग करने वालों के साथ क्या करता है ना पता हो तो कांग्रेस में दोस्त हैं, उनसे पूछ ले। वो बता देंगे। सभी छात्रों को इसपर अध्ययन करना चाहिए कि बढ़ती हुई टैरिफ की धमकी के बीच देश की अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर ले कर जा सकते हैं। इस दौर में एक छोटा व्यापारी कैसे बड़ा बन सकता है। सुबह उठता हुं, टूथ पेस्ट हो या ब्रश सब बाहरी कंपनी के होते हैं। क्या भारत इतनी छोटी चीजें नहीं बना सकता है। इसपर ध्यान देने की जरूरत है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
EXPRESS NEWS 21-08-2025

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में अभ्युदय-2025 कार्यक्रम को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित, कहा-

जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है पत्रकारिता

सत्य के लिए संघर्षशीलता से ही पत्रकारिता का समग्र स्वरूप जीवित रहेगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है। पत्रकारिता पत्रकारिता, सम्प्रेषण का ही स्वरूप है और प्रत्येक युग में सम्प्रेषण कला का विशेष महत्व रहा है। वर्तमान और आने वाले समय में पत्रकारिता शिक्षा में दक्ष हो रहे विद्यार्थियों पर यह महत्वपूर्ण दायित्व है कि वे सूचना सम्प्रेषण के माध्यम से समाज के नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वरूप बेहतर बनाए रखने के लिए सदैव सजग, सक्रिय और तत्पर रहें। डॉ. यादव ने यह विचार माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के वर्ष 2025-26 के सत्रारंभ तथा नवागत विद्यार्थियों के प्रवेशोत्सव कार्यक्रम अभ्युदय 2025 में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में 'अभ्युदय' का अर्थ मात्र आरंभ नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने वाले उत्तरदायित्व की यात्रा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की पूरे देश में विशिष्ट पहचान है। यह गौरव का विषय है कि दादा माखनलाल का जन्म मध्यप्रदेश के बाबई नगर में हुआ और उन्होंने खंडवा को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से समाज को अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ एकजुट करने के साथ सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने हिंदी भाषा को पुनर्प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण अभियान चलाया। उन्होंने गौमाता और गौशाला के संरक्षण के लिए सागर में ब्रिटिश हुकूमत के सामने आंदोलन का मोर्चा खोल दिया था। विश्वविद्यालय के माध्यम से पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के जीवन के विभिन्न गौरवशाली पक्षों को आगे लाने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

डॉ. यादव ने परिसर में स्थापित दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया और विश्वविद्यालय के सत्रारंभ अवसर पर पौधरोपण अभियान के अंतर्गत पौधा रोपा। साथ ही 100 साल : 100 सुर्खियां-स्वाधीनता से पहले और स्वाधीनता के बाद की देश की महत्वपूर्ण घटनाओं पर विभिन्न समाचार पत्रों के फ्रंट पेज कवरेज पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कवि कुमार विश्वास और महिला जनसंपर्क डॉ. सुहास खाड़े ने भी पौधरोपण किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं तथा आरंभ किए गए नवाचारों की जानकारी दी।

प्रिंट मीडिया का अनुभव आवश्यक : विश्वास

प्रख्यात कवि कुमार विश्वास ने कहा कि राष्ट्रीय समरसता के सांस्कृतिक युग को गढ़ने वाले आचार्य, दादा माखनलाल चतुर्वेदी के नाम से स्थापित यह विश्वविद्यालय, सम्प्रेषण विधा की शिक्षा में इस भूमिका का बेहतर स्वरूप में निर्वहन कर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य के संबंध में स्पष्टता रखें, अपनी विधा में दक्ष हों और तटस्थता तथा ईमानदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने सोशल मीडिया के दौर में विश्वसनीयता के संकट का जिक्र करते हुए कहा कि युवा पत्रकारों को अपनी भाषा, पत्रकारिता की समझ और समाचार लेखन में दक्षता प्राप्त करने के लिए कम से कम 3 साल प्रिंट मीडिया में अवश्य कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक उमाकांत शर्मा सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DESHBANDHU 21-08-2025

मुख्यमंत्री ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सत्रारंभ पर आयोजित अभ्युदय-2025 कार्यक्रम को किया संबोधित

समाज को नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है पत्रकारिता

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पत्रकारिता, सम्प्रेषण का ही स्वरूप है और प्रत्येक युग में सम्प्रेषण कला का विशेष महत्व रहा है। रामायण काल में हनुमान जी के संवाद हों या महाभारत काल के यक्ष प्रश्न, दोनों में हुए सम्प्रेषण ने इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सम्प्रेषण और पत्रकारिता में किसी भी घटना की प्रभावशीलता को व्यापक या सूक्ष्म स्वरूप देने की क्षमा विद्यमान है। वर्तमान और आने वाले समय में पत्रकारिता विधा में दक्ष हो रहे विद्यार्थियों पर यह महत्वपूर्ण दायित्व है कि वे सूचना सम्प्रेषण के माध्यम से समाज के नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था का बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए सदैव सजग, सक्रिय और तत्पर रहें। सत्य के लिए संघर्षशीलता से ही पत्रकारिता का समृद्ध स्वरूप जीवंत रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के वर्ष 2025-26 के सत्रारंभ तथा नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय 2025 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रोचार के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के जीवन के गौरवशाली पक्षों को आगे लाना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में 'अभ्युदय' का अर्थ मात्र आरंभ नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने वाले उत्तरदायित्व की यात्रा है। नारद जी को पत्रकारिता का आद्य प्रवर्तक माना जाता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की पूरे देश में विशिष्ट पहचान है। यह गौरव का विषय है कि दादा माखनलाल का जन्म मध्यप्रदेश के बबाई नगर में हुआ और उन्होंने खंडवा को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से समाज को अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ एकजुट करने के साथ सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने हिंदी भाषा को पुनर्प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण अभियान चलाया। उन्होंने गौमाता और गौशाला के संरक्षण के लिए सागर में ब्रिटिश हुकूमत के सामने आंदोलन कर मोर्चा खोल दिया था। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी और श्रद्धेय माधवराव सप्रे ने अपने पत्रकारीय कार्यों से हिंदी भाषा को समृद्ध भी किया। विश्वविद्यालय के माध्यम से पंडित माखनलाल चतुर्वेदी के जीवन के विविध गौरवशाली पक्षों को आगे लाने के लिए गतिविधियां संचालित की जाएगी।

भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ ही देश की संस्कृति के प्रति भी संवदेनशील है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरू को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का माध्यम माना गया है। गुरू की इस गरिमा को स्थापित करने के उद्देश्य से ही प्रदेश के विश्वविद्यालयों में हमने कुलपति के स्थान पर 'कुलगुरु' शब्द के प्रयोग की परंपरा प्रारंभ की। यह हमारी शिक्षा परंपरा में गुरु को सर्वोच्च स्थान देने का प्रतीक है। राज्य सरकार भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ ही देश की संस्कृति के प्रति भी संवदेनशील है। हमारे प्रत्येक त्यौहार में कोई न कोई संदेश निहित है, जनसामान्य इन संदेशों में विद्यमान अर्थ को समझें, इस उद्देश्य से राज्य सरकार ने सभी त्यौहार धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में विजयादशमी को मात्र रावण दहन तक सीमित न रखते हुए इस महत्वपूर्ण त्यौहार पर शस्त्रपूजन भी आरंभ किया गया है।

भाषा, पत्रकारिता की समझ और समाचार लेखन में दक्षता के लिए प्रिंट मीडिया का अनुभव आवश्यक

प्रख्यात कवि श्री कुमार विश्वास ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जब-जब देश को आवश्यकता हुई, युवा पीढ़ी ने देश की बेहतरी के लिए संघर्ष किया। उन्होंने चाणक्य की सम्प्रेषण कला का उल्लेख करते हुए कहा कि सामान्य नागरिक, सामान्य हितचिंतक और परस्पर संस्कृतियों का सम्मान करते हुए किया गया सम्प्रेषण सर्वाधिक प्रभावी और ग्राह्य होता है। उन्होंने हनुमानजी और अंगद को सम्प्रेषण कला का विशेषज्ञ बताया। राष्ट्रीय समरसता के सांस्कृतिक पृष्ठ को गढ़ने वाले आचार्य, दादा माखनलाल चतुर्वेदी के नाम से स्थापित यह विश्वविद्यालय, सम्प्रेषण विधा की शिक्षा में इस भूमिका का श्रेष्ठतम स्वरूप में निर्वहन कर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने लक्ष्य के संबंध में स्पष्टता रखें, अपनी विधा में दक्ष हों और तटस्थता तथा ईमानदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने सोशल मीडिया के दौर में विश्वसनीयता के संकट का जिक्र करते हुए कहा कि युवा पत्रकारों को अपनी भाषा, पत्रकारिता की समझ और समाचार लेखन में दक्षता प्राप्त करने के लिए कम से कम तीन साल प्रिंट मीडिया में अवश्य कार्य करना चाहिए। श्री विश्वास ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विश्वविद्यालयों में कुलपति को कुलगुरू का संबोधन प्रदान करने की पहल की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DAINIK VINAY UJALA 21-08-2025

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY

जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को...

नई दिशा देने का उत्तरदायित्व है पत्रकारिताः डॉ. यादव

भोपाल (कासं)।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के 2025-26 सत्रारंभ एवं नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय-2025 के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकारिता की भूमिका और महत्व पर गहन विचार साझा किए। कार्यक्रम में उन्होंने पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता केवल सूचना का प्रसारण नहीं, बल्कि जागरूकता फैलाने, सत्य की खोज करने और समाज को नई दिशा देने का एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। उन्होंने इस विधा को समाज के नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने का स्तंभ बताते हुए युवाओं से सजग, सक्रिय और तत्पर रहने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि सम्प्रेषण कला का महत्व मानव सभ्यता के आरंभ से रहा है। रामायण के काल में हनुमानजी के संवाद हों या महाभारत में यक्ष प्रश्न, दोनों उदाहरण हैं जहाँ संवाद ने न केवल कथा को आगे बढ़ाया बल्कि इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता भी इसी सम्प्रेषण का आधुनिक रूप है, जिसमें घटनाओं की व्यापकता और सूक्ष्मता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना जरूरी है। इसलिए वर्तमान और आने वाली पीढ़ी के पत्रकारों को समाज के लिए सत्य और नैतिकता का दर्पण बने रहना होगा।

मुख्यमंत्री ने पं. माखनलाल चतुर्वेदी को मध्यप्रदेश का गौरव बताते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि वे बबई नगर में जन्मे और खंडवा को अपनी कर्मभूमि बनाया। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष के माध्यम से समाज को एकजुट किया और हिंदी भाषा के पुनर्स्थापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके द्वारा गौमाता एवं गौशाला के संरक्षण हेतु आंदोलन करना सामाजिक जागरूकता का उत्कृष्ट उदाहरण है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी और माधवराव सप्रे जैसे महान पत्रकारों ने हिंदी पत्रकारिता को समृद्ध किया। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के माध्यम से इनके जीवन के गौरवशाली पक्षों को उजागर करने की योजना की घोषणा की। कुलगुरु डॉ. विजय मनोहर तिवारी ने अभ्युदय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं तथा नवाचारों की जानकारी दी। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, उमाकांत शर्मा उपस्थित थे।

डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय परिसर में पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही पौधरोपण अभियान के तहत कृष्णवट का पौधा लगाया गया। उन्होंने मां सरस्वती, भारत माता और पंडित माखनलाल के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 100 साल : 100 सुर्खियां नामक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें स्वतंत्रता से पहले और बाद की महत्वपूर्ण घटनाओं पर समाचार पत्रों के फ्रंट पेज कवरेज प्रदर्शित किए गए थे। कुलगुरु डॉ. विजय मनोहर तिवारी ने मुख्यमंत्री को कर्मवीर समाचार पत्र की प्रतिलिपि और विश्वविद्यालय द्वारा विकसित साहित्य भेंट किया। साथ ही उन्हें जनजातीय चित्रकला से निर्मित चित्र भी भेंट किया गया। कवि कुमार विश्वास और जनसंपर्क सचिव डॉ. सुदाम खाड़े ने भी पौधरोपण में भाग लिया।

पत्रकारिता में तटस्थता, ईमानदारी और भाषा की दक्षता बेहद आवश्यक : कुमार विश्वास

कार्यक्रम में प्रख्यात कवि कुमार विश्वास ने कहा कि जब-जब देश को आवश्यकता पड़ी, युवाओं ने संघर्ष कर देश को आगे बढ़ाया है। उन्होंने चाणक्य, हनुमानजी और अंगद जैसे पात्रों के संवाद कला के उल्लेख के साथ पत्रकारिता को सम्प्रेषण कला का सर्वोत्तम उदाहरण बताया। कुमार विश्वास ने कहा कि पत्रकारिता में तटस्थता, ईमानदारी और भाषा की दक्षता बेहद आवश्यक है। उन्होंने सोशल मीडिया के युग में विश्वसनीयता के संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए युवा पत्रकारों को सलाह दी कि वे कम से कम तीन वर्ष प्रिंट मीडिया में कार्य करें, ताकि पत्रकारिता की समझ गहरी हो। उन्होंने विश्वविद्यालयों में कुलपति को कुलगुरु संबोधन देने की मुख्यमंत्री की पहल की भी सराहना की।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY

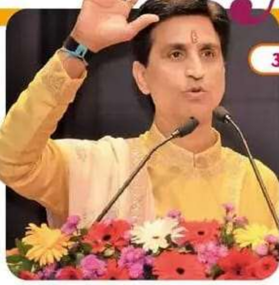

अभ्युदय एमसीयू में कुमार विश्वास ने स्टूडेंट्स को सुनाए 3 किस्से, जिनमें सीख भी थी

संवाद की शक्ति से तक्षशिला से नालंदा तक हर गांव सिकंदर के खिलाफ खड़ा था

सिटी रिपोर्टर • माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में बुधवार को सत्रारंभ कार्यक्रम 'अभ्युदय' की शुरुआत हुई। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व कवि कुमार विश्वास मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर कुमार विश्वास ने स्टूडेंट्स को न सिर्फ इतिहास के पत्रों में दर्ज किस्से सुनाए, बल्कि वर्तमान की घटनाओं पर भी एक नई सोच दी। कुमार के बताए क्या थे यह किस्से और क्या है इन किस्सों के पीछे छिपी सीख, पढ़िए सिटी भास्कर में।

सच बोलने का साहस

आजादी के समय में एक पत्रिका निकलती थी चांद। इसका एक बहुत ही विशेष अंक निकला- फांसी। इसमें बताया गया कि कैसे अंग्रेजों के खिलाफ लिखने पर चांद के तीन संपादकों को फांसी दे दी गई। 1921 में इन 3 संपादकों की खबर के साथ एक विज्ञापन भी निकाला गया, संपादक की भर्ती के लिए। इसमें लिखा था कि बीए पास हिंदी में दक्ष संपादक की जरूरत है, जिसके बदले मिलेगी अंग्रेजों की जेल व कालापानी। कुछ विशेष परिस्थितियां बनीं तो फांसी भी हो सकती है। मगर, लोगों में ऐसा जज्बा था कि चांद के दफ्तर में देशभर से 123 आवेदन पहुंचे।

सीख : परिस्थितियां कोई भी हों, अपने भीतर सच बोलने का जज्बा बनाकर रखें।

सशक्त संवाद की कहानी

सिकंदर ने जब भारत में सेल्यूकस को भेजा, तो उसके सामने चुनौती देने खड़ा हुआ चंद्रगुप्त। यह दो राजाओं की लड़ाई नहीं थी, बल्कि दो गुरुकुल आमने-सामने थे अरस्तु व चाणक्य। यह चाणक्य की मजबूत कम्यूनिकेशन पॉवर थी, जो तक्षशिला से लेकर नालंदा तक हर एक गांव व हर एक ग्रामीण सिकंदर का विरोध करने को तैयार था। सिकंदर के दस्तावेजों में इस बात का जिक्र मिलता है कि पूरी दुनिया जीत लेने के बाद जब वो भारत पहुंचा, तो ऐसा नजारा कभी नहीं मिला, जब छोटे-छोटे गांव के लोग भी कुंए में जहर घोल देने और राहों में मुश्किलें बिछाए बैठे हों।

सीख : आपका संवाद इतना मजबूत हो कि लाखों लोगों के बीच से जाने के बाद भी उसका अर्थ न बदले।

सहनशक्ति की मिसाल : भूरे बालों वाला एक लड़का है (ट्रम्प), जो हर रोज टैरिफ की धमकियां दे रहा है। हमारे प्रधानमंत्री को दिन में तीन बार ट्वीट करता है। मगर, शायद वह यह बात भूल गया है कि हम लोग महाराणा प्रताप के वंशज हैं, जिन्होंने मुश्किलें आईं तो घास की रोटी खाकर भी काम चला लिया था। हमारी सहनशक्ति पहाड़ से भी विशाल है और हम जब चांद पर जाने के लिए अपना विमान बना सकते हैं और रोजमर्रा की चीजें भी मेक-इन इंडिया से ही बना लेंगे।

सीख : किसी भी परिस्थिति में हार न मानें, बल्कि आत्म निर्भर बनकर सशक्त हों जाएं।

सत्रारंभ कार्यक्रम के दौरान एमसीयू में कुमार विश्वास के सेशन को सुनते लोग।

CM Yadav lauds Makhanlal Chaturvedi's role in reviving Hindi

3-day 'Abhyuday-2025' event inaugurated at Makhanlal Chaturvedi University

Bhopal: Madhya Pradesh Chief Minister Dr. Mohan Yadav on Wednesday hailed the late Pandit Makhanlal Chaturvedi for his pivotal role in re-establishing the prestige of the Hindi language. Speaking at the inauguration of the three-day 'Abhyuday-2025' event at Makhanlal Chaturvedi University, Dr. Yadav said it was a matter of immense pride that such a great personality was born in the state.

A legacy of journalism and culture

The Chief Minister unveiled a statue of Pandit Makhanlal Chaturvedi at the university, which bears his name and is a renowned institution of journalism across the country. Addressing the gathering, he said, "Pandit Makhanlal Chaturvedi led a significant movement to re-establish the Hindi language. We are proud that such a great man and poet was born on the soil of Madhya Pradesh."

Dr. Yadav also highlighted the state government's initiative to use the term "Kulaguru" instead of Vice-Chancellor in state universities, symbolizing the supreme position of a Guru in the Indian educational tradition.

Journalism's true purpose

Quoting Devrishi Narada as the original pioneer of journalism, Dr. Yadav explained that "Abhyuday" in journalism means more than just a new beginning; it represents a journey of continuous awareness, the pursuit of truth, and the responsibility to guide society. He drew parallels between Chaturvedi's life and the spirit of festivals like Dussehra, noting that Chaturvedi, as a journalist, also took the path of activism for the good of the nation and society. The event was also graced by notable poet Dr. Kumar Vishwas.

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
CHRONICLE 21-08-2025

मुख्यमंत्री ने सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिला और विकासखंड अधिकारियों को किया सम्मानित

सम्पूर्णता अभियान से आकांक्षी जिलों और विकासखंडों के रहवासियों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

अनमोल संदेश, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और प्रतिबद्धता के परिणाम स्वरूप देश ने विकास की नई गति प्राप्त की है। पिछड़े जिलों और विकासखंडों को आकांक्षी रूप में चिन्हित कर विकास के लिए समन्वित प्रयास करना, इस दिशा में उठाया गया प्रभावी कदम है। आज आयोजित सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह, जिला और विकासखंड स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आधारभूत संरचना और सुशासन में आए सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। इन जिलों और विकासखंडों के रहवासियों के जीवन और जीवन जीने की परिस्थितियों में आया बदलाव अभियान की सफलता को अभिव्यक्त करता है। सम्पूर्णता अभियान से आकांक्षी जिलों और विकासखंडों में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण और उन्हें पोषक भोजन की उपलब्धता, बच्चों के टीकाकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, स्कूलों में बिजली की उपलब्धता और समय पर पाठ्य पुस्तक वितरण जैसी गतिविधियों में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को राज्य स्तरीय सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्पूर्णता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदेश के आकांक्षी जिलों और विकासखंडों के अधिकारियों को उनकी टीम सहित सम्मानित किया।

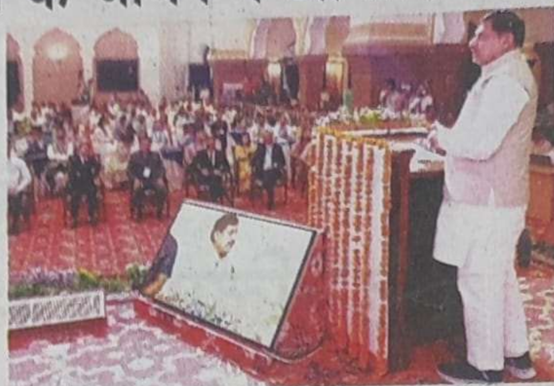

राज्य नीति आयोग की कॉफी टेबल बुक का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य नीति आयोग द्वारा प्रदेश में संचालित विकास गतिविधियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर विकसित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप, खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर उपस्थित रही। मुख्य सचिव अनुराग जैन, नीति आयोग भारत सरकार के अपर सचिव रोहित कुमार और सदस्य प्रोफेसर रमेशचंद्र ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। प्रदेश में शिक्षा, कृषि, उद्योग, रोजगार, ऊर्जा सहित सभी क्षेत्रों में लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किये जा रहे है। प्रदेश में अब 30 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं, इनमें से 10 पिछले सवा साल में शुरू किए गए। सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की गई है। सवा साल में साढ़े सात लाख हेक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ा है। प्रदेश में खेती के साथ मत्स्य पालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश में किसानों के लिए कृषि मेले, निवेश और उद्योग बढ़ाने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर समिट और विभिन्न सेक्टर्स की रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव आयोजित की गई हैं। उन्होंने कहा कि जो कलेक्टर और अन्य अधिकारी बेहतर कार्य करेंगे उन्हें सम्मानित किया जाएगा। कार्य में लापरवाही को राज्य सरकार किसी भी स्थिति में अनदेखा नहीं करेगी।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
ANMOL SANDESH 21-08-2025

CM: MP emerges as hub of mining, mineral resources

State Posts Record Revenue, To Host Katni Conclave On Aug 23

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: The state has emerged as a national hub for mining and mineral resources on the back of investment-friendly policies, CM Mohan Yadav said on Wednesday.

"Madhya Pradesh is playing a crucial rolé in the country's industrial progress. The state's achievements in the mining sector are strengthening its economy. At the same time, the state is also contributing significantly to the country's industrial development and helping it realise PM Narendra Modi's vision of a 'Atmanirbhar Bharat'. With this background, a conclave focused on mineral industrial development is being organised in Katni on Aug 23," he said. MP has already emerged as a leading state in the country in respect of mineral auctions as it secured the top position in the country by auctioning 29 mineral blocks in 2022–23.

Recently, the state also earned the distinction of being the first in the country to implement the central govt's policy by auctioning critical minerals. For the highest number of mineral block auctions, Madhya Pradesh has been awarded first and second prizes by the government of India at the mining ministers' conferences in 2022 and 2025 respectively.

In the financial year 2024–25, Madhya Pradesh recorded a 23% increase in mineral revenue collection compared to the previous year, surpassing Rs 10,000 crore in revenue for the first time. In 2023–24, this figure stood at Rs 4,958 crore.

So far, the state has successfully auctioned 103 mineral blocks, which are expected to generate over Rs 1.68 lakh crore in revenue in the future. At the Mining Conclave held in Bhopal on Oct 17–18, 2024, investment proposals worth over Rs 20,000 crore were received. Reforms such as transparent auctions, environment-friendly mining, and community involvement have increased investor confidence.

The mineral department has auctioned several blocks of graphite, rock phosphate, gold, manganese, and copper. Recently, gold has been discovered in the Jabalpur and Katni districts, while massive diamond reserves have been certified in Panna and Chhatarpur. The Malajkhand copper mine in Balaghat is the largest copper mine in the country, while the Majhgawan diamond mine in Panna is India's only active diamond mine.

CM Mohan Yadav at Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism in Bhopal on Wednesday

Journalism must uphold truth, says CM

Bhopal: CM Mohan Yadav on Wednesday said journalism carries a responsibility to uphold truth and guide society, stressing that students pursuing journalism courses must remain alert, ethical and dedicated to strengthening democracy through accurate information.

He said journalism has been a form of communication from Ramayana to Mahabharat be it Lord Hanuman's dialogues in Ramayan or Yaksha questions in Mahabharata. He added that the true spirit of journalism was to pursue truth.

Yadav was addressing 'Abhyuday 2025', the orientation and inaugural programme for the 2025–26 academic session of Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism.

He said in journalism, 'Abhyuday' signifies not merely a beginning, but an ongoing journey of awareness, pursuit of truth, and the responsibility to guide society. TNN

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
TIMES OF INDIA 21-08-2025

एमसीयू के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय मीडिया में दिया ऐतिहासिक योगदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने पिछले पैंतीस वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। यहा से शिक्षा प्राप्त पत्रकारों ने मीडिया की दुनिया में मानक स्थापित किए हैं। वे यहां माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के अकादमिक सत्र 2025-2026 का सत्रारंभ समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे। इस मौके पर प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास, विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, राज्य शासन में मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने दादा माखनलाल चतुर्वेदी की 12 फीट उंची प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान अतिथियों ने परिसर में पौधरोपण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समाज के संचालन में पत्रकारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद आदि पत्रकार हैं जिनके जीवन और कार्यव्यवहार से हमें ज्ञात होता है कि अगर पत्रकारिता में लोककल्याण का भाव होगा तो पत्रकारिता बेहतर होगी। मुख्यमंत्री ने रामायणकाल में हनुमानजी को भी एक खोजी पत्रकार के बतौर महत्वपूर्ण संदेश देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता विश्वविद्यालय की साख पूरे देश मे है। माखनलाल चतुर्वेदी जी की पत्रकारिता से जुडे रतौना प्रसंग तथा ब्रिटिश हुकूमत की क्रूरता पर चर्चा करते हुए डॉ यादव ने कहा कि एमसीयू ने आज भी उस परंपरा को जीवित रखा है।

समाज का छपे हुए शब्दों पर भरोसा कायमः डॉ. कुमार विश्वास

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जाने माने कवि और रामकथा विशेषज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने नवागत विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय में प्रवेश कर रहे हैं जिसकी सबसे बड़ी अनिवार्यता विश्वसनीयता है। उन्होंने कहा कि समाज का आज भी छपे हुए और बोले हुए शब्दों पर भरोसा कायम है। इस विश्वास को कायम रखना आने वाली पत्रकार पीढ़ी की जिम्मेदारी है। मुख्य वक्ता जाने-माने कवि डॉ. कुमार विश्वास ने कहा कि देश की पत्रकारिता में पिछले 10-11 वर्षों मे बहुत अंतर आया है। आज मीडिया मे थोपे गए विषय नेपथ्य मे जा रहे है और देश तथा समाज से जुडे जो अहम विषय पहले नजरअंदाज कर दिये जाते थे आज वे पत्रकारिता में प्रमुखता से नजर आने लगे हैं। डॉ. विश्वास ने कहा कि किसी विचार को केंद्र में रखते हुए भी तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के युवा विद्यार्थी परम्परा से पत्रकारिता के पाठ सीख सकते हैं। भारत के ज्ञान और उसकी परंपरा के प्रति किसी भी प्रकार की ग्लानि का भाव नही होना चाहिए। उन्होंने रामायण से जुड़े अनेक प्रसंगों मे संवार के महत्व तथा हनुमान जी, अंगद की निर्भीकता, तटस्थता, समर्पण जैसे गुणों को पत्रकारिता के संदर्भो में समझाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज भोपाल में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित सत्रारंभ समारोह 'अभ्युदय-2025' में शामिल हुए। होकर विश्वविद्यालय मे चलाए गए पौधरोपण अभियान के अंतर्गत 1111वें पौधे के रूप में कृष्णवट का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 'अभ्युदय-2025' का शुभारंभ कर पं. माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास और कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगे कहा कि हमारे प्रत्येक पर्व हमें कोई न कोई संदेश देते हैं। दशहरा का पर्व पुरुषार्थ का संदेश देता है और यह बात माखन दादा से जुड़ती है। उन्होंने पत्रकार रहते हुए देश और समाज के हित के लिए आंदोलन का भी रास्ता अपनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें गर्व है कि माखनलाल जी हमारे मध्यप्रदेश के थे। जिन्होंने हिन्दी को पुनः प्रतिष्ठित करने की विशाल यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कुमार विश्वास उवाच

- देश में आज भी छपे और बोले गए शब्दों पर लोगों का भरोसा कायम है। इसलिए पत्रकारिता की विश्वसनीयता सबसे बड़ा सवाल है। इसके लिए जिंदगी लगा दें।
- यह कहना सबसे बडा झूठ है कि हम जनता की पसंद का कंटेंट देते हैं। लोकरुचि के नियामक हम हैं। अपने पाठकों की रुचि बनाना भी हमारा काम है।
- विचार और पत्रकारिता के बीच का अंतर नारद बताते हैं। वे नारायण भक्त हैं, किंतु उनके दरबार में भी सच बोल सकते हैं।
- हमारे विचारों पर पश्चिम की बहुत गहरी छाया है। हमें आज भी लगता है कि जो कुछ अच्छा है वह पश्चिम से आया है। अब अंदर झांकने का समय है। भारत के ज्ञानबोध के प्रति ग्लानि से मुक्त होना जरूरी है।
- किसी कस्बे में बैठा पत्रकार स्थानीय थानेदार से अन्यान्य कारणों से रिश्ते नहीं बिगाड़ना चाहता वह ठीक है। किंतु दिल्ली में बैठकर अनुकूल आकाओं के लिए लिखने वालों को क्षमा नहीं किया जा सकता। अपने विचारों से तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता है।
- जिन्हें अच्छा पत्रकार बनना है, वे कम से कम तीन साल प्रिंट मीडिया में लगाएं। इससे आप भाषा का संस्कार और सार्थक उपयोग सीख पाएंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
RASHTRIYA HINDI MAIL 21-08-2025

समारोह | एमसीयू का सत्रारंभ कार्यक्रम अभ्युदय संपन्न, तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता

पत्रकारिता की सबसे बड़ी अनिवार्यता है विश्वसनीयता: कुमार विश्वास

जागरण, भोपाल। समाज का आज भी छपे हुए और बोले हुए शब्दों पर भरोसा कायम है। इस विश्वास को कायम रखना आने वाली पत्रकार पीढ़ी की जिम्मेदारी है। किसी विचार को केंद्र में रखते हुए भी तटस्थ होकर लिखना ही पत्रकारिता है। पत्रकारिता के विद्यार्थियों के सामने यह विचार रखे जाने माने कवि और रामकथा विशेषज्ञ डॉ. कुमार विश्वास ने। वे बुधवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सत्र शुभारंभ समारोह 'अभ्युदय' में बोल रहे थे। डॉ. कुमार विश्वास ने नवागत विद्यार्थियों से संबोधित होकर कहा कि वे एक

चुनौतीपूर्ण व्यवसाय में प्रवेश कर रहे हैं, जिसकी सबसे बड़ी अनिवार्यता विश्वसनीयता है। उन्होंने हमारी परंपराओं से उदाहरण लेकर सीखने की बात कही और रामायण से जुड़े अनेक प्रसंगों में संचार के महत्व तथा हनुमान जी, अंगद की निर्भीकता, तटस्थता, समर्पण जैसे गुणों को पत्रकारिता के संदर्भों में समझाया। सत्रारंभ समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- रामायण हो या महाभारत का काल, हर युग में सम्प्रेषण का विशेष महत्व का रहा है। पत्रकारिता के विद्यार्थी नैतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सदैव सजग, सक्रिय और तत्पर रहें। पत्रकारिता के क्षेत्र में 'अभ्युदय' का अर्थ मात्र आरंभ नहीं, बल्कि निरंतर जागरूकता, सत्य की खोज और समाज को नई दिशा देने वाले उत्तरदायित्व की यात्रा है। मुख्यमंत्री डा यादव ने आगे कहा, नारद जी को पत्रकारिता का आद्य प्रवर्तक माना जाता है। पत्रकारिता के क्षेत्र में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि की पूरे देश में विशिष्ट पहचान है। उन्होंने पत्रकारिता के माध्यम से समाज को अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ एकजुट करने के साथ सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण

अभ्युदय समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिसर में 12 फीट ऊंची दादा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रतिमा का अनावरण किया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, राज्य शासन मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, उमाकांत शर्मा, जनसम्पर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने एआई, साइबर सिक्योरिटी जैसे नए कोर्स आरंभ करने की घोषणा की। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व छात्राएं और विशेषज्ञों ने भी विचार रखे।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM MCNUJC LIBRARY
DAINIK JAGRAN 21-08-2025